

3522

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES
૧૦૩ વર્ગ ૨
યોગી ની વોલિ
ષડાશ્રાય પ્રમાણ ચમી
વારોશીપૂજા બો મારીપૂજા

अथि नयन विलसन्नु मालीनि (मन्त्र) ॥ देवि स्यं चक्रदधुं नमः ॥ निमयः
 दैकैर्ददददरु सुखदा नयान् मूढु नमि नजलजका नजनी सय्य ज ॥ १ ॥
 नयस्यं यायू ॥ नैदी ॥ निम्ननाथ यनमः ॥ नैदी ॥ यो ॥ नि (मन्त्र)
 नयनमः ॥ दद ॥ लि ॥ मूडा ॥ ॥ तिददिलमः ॥ ॥ ॥
 नगाय मिमाया ॥ आध ॥ नार ॥ नैदी वृथा माययायू ॥ नैदी ॥ मिहसः
 नयायू ॥ धन ॥ नैदी आका न्मरुं रि नैदी वृथरु नन ग रैयद व ॥ मुस्मिना
 ह्यं ये कंदा रि दधन ॥ ३ म नूक य जसु मलुला (ययवजान्) ॥ नैदी स्वदा न ॥
 विमल यानि

आर्णव गुरुलक यजारी निखर्वा गमूलान नययं धी भकया लं रजगमनि
 धर्मावलेकी वादयती ॥ नयनवित्तिग स्यां सिंह यस्मा यवि द्यो क यरुनः
 नमिनी गी सवैरु या रि नामा ॥ अरुय वजददरु मा मकवका रि नगु मदमुः
 दि नमूखा ऊं कृडि कां रि नू यामि ॥ धन नयस्यं यायू ॥ नैदी ॥ यो ॥
 रुलेक जानाथ ययायू ॥ नैदी ॥ यो ॥ मलेक जग्य ययायू ॥ ॥ दद
 लि ॥ मूडा ॥ ॥ ॥ मिय मिमाय ॥ ॥ नगा उरु माय ॥ आध जादि ॥ ॥ ॥
 ग्राहं कुं मरुलि वासन गी यायू ॥ धन ॥ नील वलुं मरुका ली रि मुखान
 वलायिना ॥ यीरी गुददि हवकु मरु नया वकायमी ॥ मलुल मि नगु ज ॥
 धन यानि

अथ वा दूत न धना। विगता दृजता गायत्र दा दृक् तं गेख वा॥ सदा विंगति
मूलं च न के विद्युत् समं यना। अस्मिन् कुलं गेख वा मोलीक्या ल मालि
नी। कि कि नी नूयुना नावयी न द्यं भवना रुमा॥ निवधु र ममा नूरा मुखं
निग निर्मना॥ ॐ द्या द्या वद्व विद्युत् नूद्व न स दा निवा ॥ यी र दृक् अ
मत्र क धूमा रा गेख का लका ॥ वद्व दद्यु ग कि वद्व कुल ख द्वा रु धा वका ॥
त ऊ नी मूख निद्वि का ॥ निवा ध ॥ द्वा रि ला वना। वद्व य द्या मना द वी यी ना
व न य यी धना॥ वाम रु रु क यालं च न के य धु गि गेख रु मी धा व य नी वि गूल
स ग द द द्वि (लं क न॥ वद्व रु द द्वि। ए रु म अ रु म म रु र र था। वाम य गी व

ख द्वा रु मृग वालं च धा नि ही। चिक् ला क ल मध्य रु अ। गि नूया व क वला॥ नि
द्वी ए य द दानी ना रा वा नी ना म (ग म व जी। अ स्मि नू रु मि रु द द्या म व व का मि
धा य य र॥ रा ग धि का न रु द न रु य रि ग्ग द नी ये रु र॥ अ स्या द द्या ॥ य ना नू
का न व को ये की रि ता॥ धा न य य य या यू॥ नुं दी रु वू मू दां दी द्वां द्वां
कुं ॥ गु द्वा न य गु द्वा काल्ये न म॥ उं रुं मि द्वा क वू लालि दी कुं द्वां
कुं न म॥ सा रु॥ धा उ म्म द नी॥ ॐ द व लिं॥ मू दा॥ ॐ मि रु गु म्म मा
॥ ॥ मि द्वा ल द्वा या॥ आ धा दि रु॥ नुं दी यी मि द्वा न म्म हार रु व वा य
न म ॥ या यू॥ धा न॥ यू (पुं द्वा गि ग्ग ख रु द ध व नी ख रु द्वा य का ज री न रु

नवयानि ४

[illegible]

विष्णुकायानि

४ यत्रायासादविद्यायादकायूजयामि॥ ॐ दैवर्त्ति॥ मूढो॥ ॥ ॐ मि॥
यत्रायासादउद्धामाय॥ ॥ रत्नोद्धामाय॥ त्रैलोक्यसन्नाययू॥ धर्म॥
तस्यामाणीहगकणीजसवदनकजीमूककणीजनयमिन्दुनवणी
मयुजगगनयुगालीरयादाकुरुका। योऽप्यमिन्दुययुगकमणि
स्विदिच्छागिन्निवायगगलायदुमकादधनिगुरुवजादहजिकर्किया
गं॥ ददवामयसुशकथंमथउजसादूलकनीलकण्ठयारुसखियनवेत्त
मृगमधूनसंयात्रदवीतिनडी। सच्चालकालरुमीनयनमणिवकजीस
र्वकामयुदागावीक्षानामागृयुयाजिनकननमिगागांसदाधमययामि

वा न जा जा य म हा व ल य ना क मा य ग ग हा ग म न सा ग ना क न हा लं का वा स
 य थ म न न द हि रु ग व न व द्र वा नि (हा) ना म स हा य स यी व स स ख अ ति ना
 ना ग न क्कान वा हा व द्र वा दि न न ग न उ अ य न अ उ ना म न मू कि वा य न (ग)
 हा ग ग अ मि न यू जा य हा नि ग य वि ष्ठ २ वि ष्ठ ना ग गृ ह २ अ ना ग म २ २ यु २
 कि न्ध २ न के वी न उ ग ग य न स ल न वा य व ग ना ख ड्क ना न य २ य न य क म
 रि या न कि न्ध २ रु ग व न अ मू क स्य ग्गु नि आ य य नि २ कौं कौं कौं यों यों यों
 कूँ कूँ कूँ ॥ न वृ व लि ॥ मू डी द र्ग य ७ ॥ ॥ ॐ गि ह न रं न व यू जा ॥ १ ॥ ॥ ॐ
 न न ४ क ल ग्गु व र्ण ॥ न्या स ॥ नुं ५ उं ३ स ४ द द या य नि य उं ग न न्या स ४ व ५ अ

अ. व. ॥ धन ॥ २

अन इसा ना द न यू जा धून का व न व ना य स व

धा न दि ॥ नुं १ वृ द्वा स ना य या यू १ ॥ नुं १ सि हा स मा य या यू १ ॥ धा न ॥ नुं १
 य न्द का रि य रा न उं य न्द द्द व न (ग) य न ॥ न का र्थं वि ला च न द र्द वि षु
 हो हा न दा म दा ॥ ३ ल न्ध सा म हा ल द्वा (प्र) ना न्ध ला च न रु या । मृ य अ ३
 स मा ला क्का य न दा रु य न्ध र्ध ॥ द या व ल (ग) द्द र्ध र्ध यो ग्गु ला द ४ ग कि
 य अ स ४ ना ना रु न हा (ग) रु र्धुं रु क य न म वि ना य न्द आ द्वा य स य धुं स
 रि ना य न म य नो ॥ धा न य य या यू ३ ॥ गु अ लि ॥ नुं १ अ द्वा न द्वां ध धा न
 द्वां धा न द्वा न न न्दुं द्द स व स व द्द र्ध स ४ द्वां न्द न्द य द्द ४ प्री स य धुं क ल ग्गु ३
 य या यू १ ॥ नुं १ उं ३ स ४ अ मृ ती ग मा हा रुं न वा य म हा ल द्वा ग कि स हि ना य

यायू॥ ॐ दवलि ॥ अद्यानवदवतीमी ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
त्यनूयाययायू॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
वंवामधवाययायू॥ ॥ ददयादि ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
यू॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
कावश्याययायू॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
यायू॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥

नैकादिनालय॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
यू॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
निताक्ष्यादि॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
महासनसंभारुनसकलगीर्थांमनुदत्तनाकेलागवाधियनयसंलेणीसंयू
लुकलम्भययायू॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
नतावापूणीयुजन॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
सनाययायू॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥ ॐ १ ॥
विधिगंगात्वमिकारुगविग्रहा॥ अद्यादण्युजादि॥ आनानायहन॥ ॐ १ ॥

अग १। नाना जस धा ना दवी जे ला अ ना न्य मि छान। ख २ वा धा क ग म स वा
क या लं कू लि गंधर्वा। जथा ३ ३ तथा य धु न न म र्मु व ज य द। रु र क ध न
या लं ज स्व द्वा र्ज स क म धु लं। गूल मू न ल वे द। ३ ग धा रि वा रु ज क ज म धु ल
य व र्ण ना तु न दी रु गा वि स यि ना। य स नि या त का स र्वा अ म गा मृ ग का
का रु वे॥ धा न य र्वा या य ॥ वे १ मू लं मू लं मू लं मू लं मू लं मू लं मू लं मू लं मू लं मू लं मू लं
ज २ त ज र न २ नू य य ट २ य य ट २ क र २ य म र्वा य व २ धा र्वा य २ वि द्या त य २ वि
द्व २ दू २ रु र का म का कू मा नी वि द्वा नी वा ज नी द वी या य ॥ वे १ मू लं मू लं मू लं मू लं
न न्द ग्री म हा वि द्या ना ज ग्ध नी रु र का कू ल र्वा र्वा या य ॥ वे १ मू लं मू लं मू लं मू लं

अ धा ज य ड व र्वा नि॥ यो क द या दि ॥ उ द्वा त्म दि ॥ उ या दि॥
ज ड व र्वा दि॥ वे १ कू वि दि दा य न्द क ल र्वा र्वा या य ॥ वे १ कू वि
मि दि दा य न्द कू ल र्वा र्वा या य ॥ वे १ कू वि दि दा य न्द कू ल र्वा
र्या र्वा या य ॥ वे १ कू वि दि दा य न्द कू ल र्वा र्वा या य ॥ वे १ कू वि
पू रि दा य न्द कू ल र्वा र्वा या य ॥ वे १ कू वि दि दा य न्द कू ल र्वा र्वा
र्या र्वा या य ॥ वे १ कू वि दि दा य न्द कू ल र्वा र्वा या य ॥ वे १ कू वि
म स ल दा य न्द कू ल र्वा र्वा या य ॥ वे १ कू वि दि दा य न्द कू ल र्वा र्वा

न आधा जादिर ॥ नै १ नक यमास ना ययायू ॥ नै १ नी कुं को ॥
नी नी रं नू नी मन्ध जाय दृका द जाय मरु रं न वा य मुचि र का
ल द (धु) नू य न म न दा ध ना य आ धु न नी ना य नी म नू चि (स)
नू नी मन्ध जाय यायू ॥ ३ ॥ व लि ॥ नै १ डं डी दू द म ले व न ॥
नू नी यूं डी य दी न कि स रि ना य यायू ॥ नै १ नी मन्ध जाय चि द
रु नू व ड द हा य धी म ही न ना नू ड य या द या ॥ न म य चि ॥

नै १ उं डं डी धि धि न मू रं य यायू ॥ नै १ उं डं डी नू ड म मू रं य या
यू ॥ नै १ उं डं डी डी दू रं नी म मू रं य यायू ॥ नै १ उं डं डी नू
ल मू रं य यायू ॥ नै १ उं डं डी स रु द व मू रं य यायू ॥ नै १ डी की
य मू रं य यायू ॥ नै १ डी कू मा न मू रं य यायू ॥ नै १ डू व न या
ल मू रं य यायू ॥ नै १ घां घां घूं घू नि का य मू रं य यायू ॥ नै १ ३
मं यी नू (नै) (नै) नै १ नू ग य नू मू रं य यायू ॥ नै १ (धु) ध म मू रं य

यायू॥ वलि॥ रं द द या दि ३॥ वलि ग दा मू द ॥ ०० गि गी म स र
ह्य ॥ ॥ न न ॥ नि व ग कि या ॥ नं रं द द या दि न्यो न ४॥ नं रं द
ज्जा ध म न दि ४॥ नं रं न न स न या या यू ॥ नं रं गी मू रं मू रं
वि म य ना ध म य या यू ॥ नं रं रं ० मू द नू द नि मू द ॥ य
वि न रं क ट ला द्दी क यि ल यि रं ल व रं ल द्दी रं म द्दी रं ल
वी द्दी रं म द्दी रं ल या मू द नि स न मू रं य मू रं मू रं मू रं मू रं मू रं

धनधान्यलारं सर्वार्थसिद्धिददस्व मे दूं ३ रुट वलिं गृह्ण २
०० गि सुवर्मसूत्रवत्यां ॥ समयसमासासमेकवलिं दद
०० सर्वार्थोभयार्थोभनिदाजोयदात्रमवच। देणायुधदुर्लभं दारु
सर्वदिग्गजां संलिना ॥ आगिनी आगनी प्रज्वा सर्वगुरुसमागता
१०० दैत्यमहावक्रुणीनाथवत्रयाममा ॥ अरुका सातमदविद्यु
त्रयोदाद्यनत्रगा ॥ सर्वसिद्धिददामावदगर्वा ॥ वसुधावीना ॥
आगिनीना ॥ अविचित्रिमहीगता ॥ गगना नवलिंद विसमयाचा

त्रमत्रकं ॥ अगिनीमनःयष्टिर्मासमदा ॥ लिजीविर्ग ॥ निवृत्तय
नु ३ दानां आगिनीगणसंकुला ॥ वृद्धकादिब्रह्मयात्रिदन्निमिल
दुर्लभिर्ग ॥ निवृत्तयनुदृष्टाती आगिनीना ॥ वृत्तसंकुला ॥ उकात्र
दिययय्योभययसाला युकीरिना ॥ उा अधीधुर्लभं दारुदणा सुविद
सासुय ॥ मरुयागालवक्रा ॥ सुसर्वका नानप्रयुवा ॥ आगिनीयागयु
कात्मा ॥ समगिरि साधका ॥ वीनकर्मसुवी प्रज्वा ॥ सद्यः सिद्धि
वगा ॥ सिद्धाग्रयुगकाचा आसाधका ॥ दिगिसायन ॥ नग ॥ ज ॥ २ ॥

मेवाकटश्यावासनिह्नवायायीकृथेकवृद्धवाग्मसानमाहमधुलान
नामृयधुनान्यरायिवदजाविधिधमतित्रागजसर्वयिसंतुषावलिगृह
द्रुमसर्वगशासनहमगगाद्यायनसर्वमरुतयुदीयालदंयन
याकर्मजलनिध्यामयत्कर्मवनिधययुदाननसंतुषाममजिति
काशासर्वकर्महिमिदनुसर्वदायाद्यग्मनुमालिवग्निकियसाधाम
प्रीकृदिकागार्हणमायदं॥ॐसिममयवर्लि॥ ॥मृथाजयादि॥
वैराजजयकरुण्य॥ॐताशानुमूर्तिका॥उक्ताणकस्याधुग्यासूदन

मंत्रच। मूक एक काय म्थ ० याद च क रं द्रक ४। मंत्राव ग उ आ म्थ उ
 स धी (मंत्र) न वा रु क ४। मू ४ क जा रु ४ क रं द्रक म्थ नू (मंत्र) म म्थ स रं धा। रं ग
 ला रु ४ म्थ म्थ व च धु धा न्द्र क मंत्र च। रु धा गायो उ टा ला द्वा उ का ज म्थ
 रु म्थ न ४। रं क या लि स्था न व (मंत्र) उ म म्थ रु रु क धु क ४। रु उ का ना ग रि को
 ध दि जा द द्वा न स धा ध न दा ना ग क धु म्थ य च धु रु रु का न क ४। वी न सि
 रु रु क द्वा रु। म द्वा रा म्थ न य म्थ म्थ क ४। जा न व म्थ लं वा रु वृ म्थ न ४। रु क रु रु
 क ४। य लो उ ला द ४। म्थ ना क म्थ रु रु क ४। रु य स रु धा। य म्थ म्थ रु याल म्थ

नयः अमनसा मुनि ॥ यः अमनसा महाद्वय निधि यद्यप्यसंस्कृता ॥ चतुर्वा
दश यादव्यः जगत्पुरुषः तन्मित्रो यथैकं नृपं नृपं सर्वककोटिचिद्विधा ॥
अजनादि महाद्वयदकानं नमामहे ॥ ॐ नमो नमो नमो ॥ अजनादिद्वयः
या लायवर्ति गृह २ स्वाहा ॥ ॐ यजुयादि ॥ ॥ नमो वनिनी यामिनी वः
लि ॥ ॐ चतुर्वाद्यः महानासादर्मस्त्रीसुखीयजा ॥ प्रवर्गीयथमाद्याः
नासा म्याही मा महावत्ता ॥ जयाय विजयाय च अजिता वायना जिता
महात्मा विनूयादीषु कायाकाणमाहृका ॥ जगत्पुरुषः संहानी चतुर्वा

लीषु च प्रवर्तिनीयि यालीयुषाहालीयः अमननीमन्याहा ॥ तृतीया ॥ रुद्रका
लीषु रुद्राचरुद्राही मास रुद्रिका ॥ द्वाविंश मनुमात्रा कलिका यालभा
लिनी ॥ द्वाविंश मनुमात्रा मीषु च मुष्णवागनी ॥ अद्यानकोथद्यानको
द्यानद्यानकोदुंदु सर्वग ४ सर्वसर्वदुंदु रं स ४ कोनृदुनृयदु ४ द्वाविंश याद
मिनीयावर्ति गृह २ स्वाहा ॥ ॐ मित्रनीमी यामिनीवर्ति ॥ ॥ नमो यजु
४ यदीया ॥ मिनीवर्ति ॥ ॐ अद्यायददकधुयनादसीदयनीदया ॥ द्या
येवतु र्मिगदी अद्यादयनामिनी ॥ ॐ लालीलावगी येवल यलीला

(येवचालकभर्तृकग्यनीह्यालनसाविमलागथा॥ दूतासनीविष्णुलाः
कीदंकाजीवदकामस्वीमहावजामहाकुजाकाधिनीखलानना॥ सर्वज्ञातजला
वेवतेजाकु(येवमवच। जोडीगथाउसजसाजससंयुहिमर्वजी॥ गालुजंघाः
यजकाकीविद्युत्तिकाकर्जकीती। मद्यनायायच(भुयकालकधुदियाः
नना॥ यद्यायद्यावगीयेवययअदलितानना॥ यिवुवकुयिष्णुजीवः
यि। नि। मायेवलालया॥ यावनीह्यागयिनीवामलीसृता॥ विवृणानना
वृहत्कीदंका॥ विष्णुयिही॥ यमजिह्वाजयनीचदुर्जयाययमाः

निका॥ विजयप्रवगीयेवयुगासनीविजयासृता॥ वाक्कीमाहग्यनीः
येवकीनानीवेद्वीगथा। वाजाकीयेवमाहलीवामभुलकीनवयय
नदवभुययभुयच(भुययभुनायिका। चन्द्राचन्द्रवतीयेवचयुवूः
यागिचधिका॥ नवमीवायवयवभुचमधुस्त्रागिचरुदिगा। चतुष्वरी
मुआगिन्यायूवायादिनिर्मलिगा॥ सर्वज्ञनिकर्जनिर्धनधन्ययुस
वेदा॥ **कीदंकाजीवदकामस्वीमहावजामहाकुजाकाधिनीखलानना॥**
२स्वाहा॥ १३॥ ॥ **मिचतुष्वरीआगिनीवर्ति॥** ॥ **रागस्थवसधिया**

दा नः १४ पुत्रवर्ति विविधना यातु वी ननु वंद्या ३॥ ॥ ग मा म क व र्ति ॥ ३ ॥
देवी श्री भुवनेश्वरी ॥ श्री गुरु यादु कां यु जा मि ॥ तं क व र्त्त क काम नृ यं य न वि
य न ग ना ॥ जा न यी १०३ य न्या म क (ह म) (धु यी) ० वि य न य न ग ना दः
वि गृ मी न क ना आ वा य मि दि र्म (ग य त्रि वृ त य वृ त य र्ही य गि न्य वृ द
य कं द ल्य क उ य उ ल न क स ह या द व द वी न मा मि ॥ ॥ या द दि यी त गि
द ट म दि लि यु व न म य या ग ल मूल द र्श यी (भ य यी) ० वि स म य रु ४ य (१)
म ल क ल म म न सि (धी नी र्क वृ द उ द धि यु रु ट ट धू म का ला व ता न को
लु ले यु गु नि यी ग ग ह य न व न ड डि या न य धा न ॥ २ ॥ जालि ख्य आ ग

म ख्य कूल य गि न ग न काम नृ य स नृ य उ जा न्या म द हा स य ट य ट स ह क
लो उ द (म य द (म म नृ ग य थ गि नो ला कि सौ नी सा कि नी नी ॥ ३ ॥ का म्मी न
या लु द (म द वि उ म ल य ० वृ स वा ग क लू ट मु जा य ह क उ क उ न सि वि न
उ क मि दि क र उ दाल को ला गि यी द वि क ट डि म गि त्रि लि ख न का धि द (ग
य या (ग सो ना द म ध य (ग ह यु य न न ग न को ग ल काम क वा ॥ ४ ॥ क धु र ट
को क (ह यो म ग ध य न व न क धु क ड क लि (ह वि (म उ य म म (धु स न व न
ग य न ग द ना ख्य ल ल य आ नि जा म गु जा म्वा वि वि ध वृ ध नू ता मा ग न ली तु
म र्वा न सि द्वा मु द्वा ४ सु सि द्वा वि वि द्ध नू ता दि य सि दि द द नु ॥ ५ ॥ ख म्मा

मनुसिद्धियत्रयत्रविगनंखगगिलाउनंवागमसुसंरंत्रियुतांत्रनियलिग
अयंरुंनंसर्वविद्यादीर्घायस्यंकलितंनसनिधिगुटिकीयादकाससि
द्धिसर्वविक्ताददनुअलितलियिगिगाहंजयानान्ययका॥४॥५॥द्वय
(॥)जात्रिमात्रियुहगनंनगग(हविद्युत्यानत्र(हवाजाउदात्रउलोद्य
विद्यटययुस्यंयाधितंनमंमुहु।**होहोहोहो**नकिहहहहहहसिनेय
इयन्कीयिबकीरुयन्कीमनुमाताकिलिमिलिचिकिलिलि॥कीलशआ
नितकी॥॥॥सागुक्तामत्रयायजलवगयसहाहाहहकात्रनादाउकिहो
हानीलकधुअहंनसुत्रदयाविन्दगीअयगला**हुहुहुहु**कात्रय

नीत्रुत्रुधित्रवसात्रधिगात्रुमक्षमक्षल्यलाकयालागसयमनय
गा॥याधियनान्ययका॥४॥॥त्रिखागात्रुदगकि॥मत्रदिगुलिद्वी
यदीसिद्धिपूयायामुहुहुत्रुयादिनिटिलियुदगाकुधुलायायसिद्धा
॥अ।का(गनिययकाउदधिवृलवधिमालिनीविद्वदहाउआमनियः
संक्ताकलमकलमयाथागत्रकुत्रविद्या॥॥॥मुजीजयहासयन्कीअयन
यत्रयत्रानादिकानाविरिवादिद्याहलाकयाला॥सकलगनूगगा॥या
०आमक्षलाखा॥णीक(४वत्रयन्कीत्रियुवनउननीमध्ययी(०गमाहा
यकुक्तादवदवीगिवयथगमनीकालमार्गयगह्या॥१०॥नामाणीद्व

ॐ काशा कटिलगनगतामनुयी (अथयी) अद्विष्टमिद्वि आगी गदन
 नयियुतामधुलायुयी (अ) काशाका कक्षखावद्वलविधिधर्म
 ताक्षानमिद्वि यातालेहमिस (नेविजययुवसुधाभादलक्षीकलाखा ॥ १ ॥
 उलिळाउद्वन्मसुं गटि तेरि तेयंरयं रुदयनीसमसाजोडी दुकाजवीय
 कलेजलजलिगायुयी मासयदळा। साजराया मजोडीउनलेसहयासहि
 गासकुरुमनुयी यश्च रुद विमलकलगतायश्च नलासमसा ॥ २ ॥
 प्रकाशनेकरुदप्रियथगगयताअद्वजामातजाकुर्दुगदमासदुकावः
 लवलविजलायुननीरिकाक्षशान्तिमिद्वि युदनी नूनूयिनवसाः

[illegible]

[illegible][illegible]

सुं न नं अगिदायायं युगि गृह्यतां ॥ **अथ विंशति** रुलं रुलादि नामूलसिद्धक
लासमन्तिनं ॥ अमुदादिमयकारं जावी जादि युगृह्यतां ॥ **रुलादि विंशति** अ
नं अउ विधं अत्र न मे ॥ अदि ॥ समानि नं ॥ मया निव दिने गुह्यं गृहाहयन
मध्यमी ॥ **नेवद्यादि** ॥ **विंशति** यावहागस्य नस्य नव निरुद्वर्गं यावदाकाग
गम्यायाव (हो) (म) गम्यागमगमगमयनि (म) यनि वर्ग (हम) ॥ यावद्वः
क्रा यिना कीरु निविमल जलं यदसिद्धान् वाहिना वलं युगुयो ग्रासु अन
यत्रिवृगवधं जाशुलक्षी ॥ ४४ युगिद्धाव न दारु वलु ॥ **लाजा विधनं** ॥ ४५
रुलयेय नामूल धूयदीय नाना यजुनादि यउत्तमवद्व विधयकोनो

दिय अममृगेयक नेवद्यादि संकल्यसिद्धि ननु ॥ ॥ **नगानुवर्ग संकल्य** ॥
दो ३ ॥ **प्रांती ३** ॥ **लो ३** ॥ **विद्वत् ३** ॥ **नृ ३** ॥ **मूल ३** ॥ **नृ ३** ॥ **निर्वा**
नस्य ॥ **द्व** निवकलनस्य ॥ **नृ ३** ॥ **लो ३** ॥ **नकि कलनस्य** ॥ ॥ **जय**
समर्थ ॥ **हवा ३** ॥ **नृ ३** ॥ **युक्ता ३** ॥ **गिगुह्य** (म) यित्वं गृहाह सवर्गं जय
॥ **सिद्धि** ॥ **वृ ३** ॥ **वउमदविल्यसा** ॥ **दात्मयिम्नि** ॥ **प्रीमकुप्रीक** ॥ **द्विकाये**
सांगमयसयत्रिकात्रय नद्वारु नगन जय निवदयामि ॥ **जलाक नं प्रा**
कजा ये निवदय ७ ॥ ॥ **नगानुवर्ग १०** ॥ **अखधुमधुलात्रि** ॥ **द्वयवट**

ग धृष्ट धृष्ट दीयने विद्यं ह्युद्धृष्टा विधेन लब्धं वा विदुः पुनः कुः॥

क ग द न वा ल्मा कु म मूल स्का न म ग द स्य त्रि वा ना र्हा य अ न कि मु र्ने ॥ श्री वि
का ॥ य ५ य ५ य ५ व की र्णु ॥ व ५ व ५ व ५ म हा मा या ॥ प्र स र्वा र्ण ॥ द मा सु ति ॥
वा या द मि मि ॥ मृ उ ग न्धा दि ॥ न म स्का र्ज क र्था ॥ म धु ल लू य ५ व ल्नि न ॥
सि त र व र्ण ॥ ग नो य नि ग र्थ र्ण ॥ न ॥ या व कु कु म र मि का व स न या ना ॥
शी यिली नां तु या सा सा मि म न र्ज र ग ग ग (स नि ५ य स का सा मु या ५
या का (स ५ व ना म क य ति ल र्ण ॥ आ र्म सि ना ध ५ य र्ण द वी य मु या न
र द द य ना र्म श्रु को ना र्मि ना ॥ न ॥ अ र्वा र्मि ना मि कु मा र्वा न मि मि ॥ ३

[illegible]

बलं वददह जा उष्टा मक रुरु कं । भक्त ना । मरु ववृद्धि जा । ४३
ग्रीका निव त्रै । मरु य विदु व नि र्यं लक्ष्मी ४ म न गि व द्द हं । न सा य
ना । यं सर्व स्य क म य अ य ग । मृ न । उ द न स म ह । दि र्यं यी य नं रु
व र य उ । न द नु व ल या गि न्या न द नु व ल रु न द्वा । न द नु य क ला
या यो य या न्य व ल दि दि ता ॥ द हि न ॥ स खि न ४ स नु स खि न ४ स नु द
ह व ॥ य स । दा मु व दा स्या मि व त र्हं जी व धा न ॥ व १ न म १ णी न
ध य मि र्ग यं ॥ ॥ ज्ञा त स म यं ॥ व १ या व क मि ॥ ॥ अ थ द वा ॥

गीर्वा द ॥ ॐ । प्र का न क र व या दि ॥ क ल । म द क ना रि य र्क ॥ व १ उ का
जा दृ स्य या द ॥ मि ॥ अ य नं ॥ व न्द नं न यि रं य थ या दि ॥ मि र्ग न ॥ स य
नि ॥ मारु नि ॥ ॐ । डा नी ॐ रु सा स न मि ॥ स यु ह ॥ सि द्धा र्थ द धि यो व र्क य
स यु । ह या दि ॥ व १ म य व र्ग न या दि ॥ ॐ । या स्या मी र्वा द ॥ ॥ न म
स्वा न वा र्क ॥ व १ मृ दि सि दि व र्ज द हि यो य ना ग य स य र्क । य र्ग द हि
य । म र्ग मृ र्ग नं द हि र्ग य द हि मी द हि ल क्ष्मी न्ध न धा न्यं जा य ल
क्ष्मी य न ४ य न ४ । य स । दं व न्म स्या मि न्क डि का य त म य्ध जी ॥ क म स ॥

॥ ॥ गगादवत्रिसर्जनं ॥ वाङ्मय ॥ ७७ ॥ गङ्गा गङ्गा न (प्रदं स्वस्मानं ग)
तं लयः ॥ नद नद महं नित्यं न न विजया यय ॥ ॥ नं न मा ॥
र ग व गी ह क म ल यै जां ह द य य दि त्मा ली नी ॥ न्या स य व व ॥ नं
कि नि २ वि त्र का क ना य ४ द ४ अ यै मु य रु ट ॥ व नि वि स र्ज न ॥
यै सा दि ॥ स्व स्मा न व लिं दि य ७ ॥ स म ह १ १ ६ मो घ दू मू ६ अ मा ल मू
द ना ज मा ल न या ग थो या वि या च स रू नि ७ ६ न स ग ड ड ॥ ॥